कोई एक नेता हो तो मैं पटा लूं, लेकिन बीजेपी में तो सीएम के कई दावेदार : अशोक गहलोत

ईस्टर्न कैनाल की पैरवी केन्द्र सरकार से करने की मांग विपक्ष से करते हुए मुख्यमंत्री ने चुटकी ली

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान के 13 जिलों के पेयजल से जुड़ी ईस्टर्न कैनाल परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा दिलाने की मांग सोमवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सदन में बीजेपी नेताओं के सामने रखी।

सीएम ने कहा कि ईस्टर्न कैनाल को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने में बीजेपी नेता मदद करें। यह 13 जिलों का मामला है। बीजेपी नेता इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाएं अन्यथा अगले चुनावों में 13 जिलों में साफ हो जाओगे। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री भी हमारे राजस्थान के हैं। अब बीजेपी में एक नेता हो तो मैं पटा लूं कि राज्य हित में दिल्ली जाकर पैरवी करनी है, लेकिन यहां तो अनेकों नेता हैं। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत साहब, गुलाबचंद कटारिया साहब, कैलाश मेघवाल साहब, सतीश पूनिया साहब और वासुदेव देवनानी साहब सीएम के दावेदार हैं। और भी कई साहब हैं, जो सीएम के दावेदार हैं, हमारे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला, हमारे ओम माथुर साहब भी सीएम दावेदार हैं। एक नेता हो तो मैं पटा लूं कि साथ चलो, लेकिन बीजेपी में तो कई नेता हैं।

> ■ 'प्रधानमंत्री मोदी के यहां पर वसुंधराजी का हो न हो, कटारियाजी की बात में वजन होगा, इसलिए आप मन से भय निकालकर मोदी-अमित शाह से मांग करो'

इसके बाद गहलोत ने चुटकी लेते हुए नेता प्रतिपक्ष से कहा कि "कटारियाजी आप आरएसएस कैडर के हो, आपकी बात कौन टाल सकता है। भय को मन से निकालो और पीएम के यहां जाकर पैरवी करो। पीएम के यहां आपकी बात का वजन होगा, चाहे वसुंधराजी की बात का वजन हो न हो, लेकिन आपकी बात का वजन होगा, आप कैडर के आदमी हो। आप ईस्टर्न कैनाल पर प्रधानमंत्री से जाकर मांग करोगे तो आपका सम्मान भी बढेगा और पीएम भी मुझे लगता है राजी होंगे। आप डर निकालो और बतौर नेता प्रतिपक्ष अपनी भूमिका निभाकर राजस्थान की पैरवी करें।

गहलोत ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से मांग करते हुए ही बीजेपी के नेता डरते हैं। मोदीजी और अमित शाहजी का पता नहीं क्यों एक भय बैठ गया है कि हक की बात भी नहीं करते। मार्गदर्शक मंडल बन गया वो अलग बात है, लेकिन बाकी नेता मांग ही नहीं करते।

'कटारियाजी! आपकी बीपी अप-डाउन चलती है'

जयपुर। मुख्यमंत्री ने वित्त-विनियोग विधेयक का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया पर चुटकियां ली। अशोक गहलोत ने कहा कि "कटारियाजी! आप बीपी कंट्रोल रखकर बोला कीजिए। आप जब भाषण देते हैं तो बीपी अप-डाउन चलता रहता है। आप इस पर कंट्रोल रखिए नहीं तो आपके घर वाले मुझे उलाहना देंगे कि आप इनका ध्यान नहीं रखते। सदन का नेता हूं तो आपके फैमिली वालों का इतना हक तो मेरे पर बनता है।" पुनः चुटकी लेते हुए कहा कि "आपको अंदाज बदलना चाहिए, आप भावुक होकर बोलते हो, लेकिन आंकड़ों को भी इस तरह से पेश करते हो, जैसे पत्थर में जान डाल दी।"

महापौर मुनेश के विरोध में धरने पर बैठे कांग्रेस पार्षद

पार्षदों को अस्थायी कर्मचारी न देने और वार्डों का विकास नहीं कराने का आरोप

कांग्रेस मेयर मुनेश गुर्जर के विरोध में सोमवार को उनकी ही पार्टी के 11 पार्षदों ने मोर्चा खोला और हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय पर धरना दिया।

जयपुर (कासं)। कांग्रेस मेयर मुनेश गुर्जर के विरोध में सोमवार को उनकी ही पार्टी के 11 पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया। हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय पर धरने पर बैठे इन पार्षदों का आरोप है कि बोर्ड बने सालभर से ज्यादा वक्त बीत चुका, लेकिन पार्षदों को ना तो बीट्स (अस्थायी कर्मचारी) मिले और ना ही वार्डों में विकास कार्य हो रहे है।

हालांकि इस धरने में 47 में से 11 ही कांग्रेसी पार्षद शामिल हुए। इसमें सबसे ज्यादा 7 पार्षद कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियास की विधानसभा क्षेत्र के रहे। यही से पार्षद मुनेश गुर्जर जीतकर मेयर बनी है। ऐसे में इन पार्षदों का सबसे ज्यादा विरोध मेयर को लेकर ही है। इसके अलावा किशनपोल, हवामहल और आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र से एक-एक पार्षद धरने में शामिल हुआ। हालांकि पार्षद कह रहे है कि उनके वार्डों में विकास के काम नहीं हो रहे, जिसके कारण उन्हें धरने पर बैठना पड़ा।

वहीं राजनैतिक गलियारों में चर्चा है कि मुनेश गुर्जर सिविल लाईन्स विधानसभा क्षेत्र से मेयर बनी हैं, लेकिन अब वहीं के विधायक और पार्षदों के छोटे-मोटे काम नहीं हो रहे। इसके चलते पिछले दिनों विधायक और कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह ने एक बयान देकर कहा था कि आज पार्षदों की कहीं सुनवाई नहीं हो रही। अगर पार्षदों की सुनवाई नहीं हो रही है तो उन्हें नगर निगम का घेराव करना चाहिए। क्योंकि जनता ने उन्हें वोट दिया है। शायद यही वजह रही कि सोमवार को नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर कांग्रेस पार्षद विपक्ष की भूमिका में नजर आए। कांग्रेस पार्षदों ने निगम मुख्यालय के बाहर टेंट लगाकर अपने ही बोर्ड के खिलाफ धरना दिया। धरने पर बैठे पार्षदों ने जमकर नारेबाजी और तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। इधर कांग्रेस के पार्षदों का दूसरा सबसे बड़ा दर्द बीट्स (अस्थायी कर्मचारी) भी है। मेयर ने पिछले साल जब बोर्ड बैठक हुई थी और उसके बाद अन्य दूसरी बैठकों में 5 से 7 बीट्स हर वार्ड में लगाने के लिए कहा था, लेकिन पार्षदों के यहां अब तक बीट्स नहीं लगी। इससे भी पार्षद नाराज है, क्योंकि इन बीट्स के जरिए वे अपने क्षेत्र में छोटे-मोटे काम करवा लेते थे।

नौकरशाही इतनी हावी है कि मंत्री को भी असहाय होकर बोलना पड़ रहा है : राठौड़

जयपुर (वि.सं.)। विधानसभा में विपक्ष ने विनियोग विधेयक एवं वित्त विधेयक पर आज चर्चा के दौरान वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के ऑफिसर्स गैलरी में मौजूद नहीं रहने पर आपत्ति व्यक्त की।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने चर्चा में भाग लेते हुए बहस की शुरुआत की और इस दौरान उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन में चर्चा हो रही है लेकिन ऑफिसर्स गैलरी में वित्त विभाग के प्रमुख सचिव और सचिव मौजूद नहीं हैं। ये बड़े अधिकारी मुख्यमंत्री जब आएंगे तब उनके साथ आएंगे, फिर विधेयक पर यहां बोलने का मतलब क्या रह जाएगा। उन्होंने कहा कि नौकरशाही को इतना हावी कर दिया गया है कि अधिकारी सदन के प्रति उत्तरदायी नहीं दिख रहे और मुख्यमंत्री के प्रति उत्तरदायी हो गए हैं।

इस पर शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला ने कहा कि आज शून्यकाल समय से पहले खत्म हो गया, ऐसे में बस रास्ते में ही हैं, आ रहे हैं। वित्त विभाग के प्रमुख सचिव के प्रतिनिधि मौजूद हैं, वह लिख रहे हैं। इस पर राठौड़ ने कहा प्रतिनिधि का क्या मतलब है, मैं भी कल मेरे प्रधान-सरपंच को प्रतिनिधि बनाकर यहां सदन में भेज दूं क्या। उन्होंने कहा कि नौकरशाही को कितना हावी कर दिया गया है कि मंत्री को असहाय होकर बोलना पड़ रहा है।

नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इस मौके सदन में वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का नहीं होना गंभीर बात है। विधेयक पर चर्चा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों का सदन की ऑफिसर्स गैलरी में होना जरूरी है। इस पर कल्ला ने कहा मैं लिख रहा हूं। इस पर कटारिया ने कहा कि आपका लिखा तो आपके पास ही रह जायेगा।

कविता में एक शब्द भी अनावश्यक नहीं होना चाहिए : जगदीप सिंह

जयपुर, (कासं)। जयपुर के इंडो-इंग्लिश कवि जगदीप सिंह को उबरते कवियों और साहित्य प्रमियों के साथ संवाद के लिए हाल ही में रायपुर में आमंत्रित किया गया था, जिनकी पहली कविता संग्रह, माई एपिटाफ गत वर्ष प्रकाशित हुई थी। द राइट सर्किल के तत्वावधान में आमंत्रित, यह संवाद कार्यक्रम रायपुर की एहसास विमन द्वारा आयोजित किया गया था। इस दौरान कवि ने प्रोफेशन से वकील और एहसास विमन की सक्रिय सदस्य सृष्टि त्रिवेदी के साथ चर्चा की।

जयपुर के कवि जगदीप सिंह ने सोमवार को रायपुर के साहित्य प्रेमियों से चर्चा की।

एक बेहद ही संवादात्मक सेशन में, जगदीप ने अपनी कविता हाउ टू विदस्टैंड पेन पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि हम में से प्रत्येक व्यक्ति को अपना क्रॉस सहन करना पडता है और हमारे हिस्से की पीा का सामना करना होता है। और हमें यह पूरी गरिमा के साथ करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कन्टेम्पररी के साथ-साथ मॉर्डन कवियों ने अल्यूजन, मजबूत इमेज और सिम्बल्स का इस्तेमाल किया है जो उनकी कविताओं को कुछ हद तक अस्पष्ट बनाता है। हालांकि, यदि पाठक संकेतों और संदर्भों को समझने का प्रयास करता है - तो कविता के मायने और बढ़ जाते हैं और इसे समझना आसान होता है। उन्होंने कविताएं लिखने का प्रयास कर रहे युवा कवियों को टी.एस. एलियॉट, सिल्विया प्लैथ, डिलन थॉमस, जैसे प्रख्यात मॉर्डन कवियों को अधिक पढ़ने की सलाह दी। जितना अधिक वे स्थापित कवियों को पढेंगे, उतना ही वे अपनी कविता लिखने की शैली को विकसित कर पाएंगे।

उन्होंने जीवन की बारीकियों को समझने के लिए कहा, जिससे की उन्हें अपनी कविताएं को लिखने में मदद मिलेगी। उन्होंने उनसे यह भी कहा कि प्रत्येक कविता को कम से कम 100 बार संशोधित किया जाना चाहिए और कविता में एक भी शब्द अनावश्यक नहीं होना चाहिए।

तेज रफ्तार ट्रोले की टक्कर से महिला की मौत, बेटी घायल

बेटे के जन्मदिन पर खाटूश्यामजी जाने के लिए निकला था परिवार

जयपुर (कासं)। शहर में अजमेर-दिल्ली रोड 200 फीट एक्सप्रेस हाईवे पर सोमवार सुबह 9.30 बजे एक ट्रोले की चपेट में आने से स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई और बेटी गंभीर घायल हो गई। महिला सोमवार को अपने छोटे बेटे के जन्मदिन पर उसकी लंबी उम्र की दुआ मांगने के लिए बेटी के साथ स्कूटी पर खाटूश्याजी जाने के लिए निकली थी। दूसरी स्कूटी पर पति, बेटा और बहनोई थे, लेकिन तभी हादसा हो गया। सूचना पर पहुंची दुर्घटना थाना पश्चिम पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जबकि बेटी का निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक हादसे में करणी पैलेस रोड स्थित जगदम्बा कॉलोनी निवासी सुमन खंडेलवाल (38) की मौत हो गई और उनकी 18 वर्षीय बेटी पारूल खंडेलवाल गंभीर घायल हो गई। सुमन अपने पति गोपाल खंडेलवाल, बहनोई राकेश और बेटी पारूल, बेटे केशू के साथ खाटूश्यामजी जाने के लिए रविवार सुबह घर से निकली थी। एक स्कूटी सुमन चला रही थी और पारूल पीछे बैठी थी।

दूसरी स्कूटी पर गोपाल, बेटा केशू और राकेश चल रहे थे। सुमन की स्कूटी आगे चल रही थी और पति व बहनोई की स्कूटी पीछे थी। हादसे के बाद गोपाल व राकेश वहां पहुंचे। पत्नी व बेटी को लहूलुहान सड़क पर पड़ा देख गोपाल भी बेसुध हो गए।

परिजनों ने बताया कि रोड नंबर 14 विश्वकर्मा पर दोनों स्कूटी खड़ी कर बस से खाटूश्याजी जाते, लेकिन ट्रोला चालक की लापरवाही ने हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। पारूल 12वीं कक्षा में पढ़ती है और गोपाल खंडेलवाल ने परचूनी की दुकान खोल रखी है।

सवा लाख बच्चों को लगाई वैक्सीन डोज

जयपुर। प्रदेश में अब तक 12 से 14 आयु वर्ग के एक लाख 25 हजार से ज्यादा बच्चों को कोविड वैक्सीन रुपी सुरक्षा कवच दिया जा चुका है। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने बताया कि मंगलवार से कार्यक्रम में गति लाकर शेष बच्चों का भी व्यापक स्तर पर टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 16 मार्च से 12 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि होली के चलते यह कार्यक्रम अभी गति पकड़ नहीं पा रहा पाया था। मीणा ने बताया कि प्रदेश में 30 लाख से ज्यादा कार्बिवैक्स वैक्सीन केंद्र सरकार से प्राप्त हो चुकी है और चिकित्सा संस्थानों में भी उपलब्ध करवा दी है। उन्होंने कहा कि 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों को प्रथम एवं द्वितीय डोज के मध्य 28 दिन के अन्तराल रखा जायेगा। प्रदेश में कुल 12 से 14 वर्ष के कुल 30 लाख 87 हजार लक्षित लाभार्थियों का टीकाकरण किया जाना है।

ट्रेफिक जाम में फंसे रहे लोग

जयपुर। शहर में सोमवार को यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गया। कलक्ट्री सर्किल से खासाकोठी, रेलवे स्टेशन पुलिया, चिकांरा कैंटीन, झोटवाड़ा रोड से लेकर चांदपोल तक वाहन चालक जाम में फंसे रहे। वकीलों का प्रदर्शन और एक फिल्म अभिनेताओं का रोड शो पूर्व से प्रस्तावित था, लेकिन यातायात पुलिस व्यवस्था सुचारू नहीं रख पाई। वकीलों ने जनपथ व कलक्ट्रेट पर रोड यातायात रोका था। यहां के ट्रेफिक को पुलिस सभी तरीके से डायवर्ट नहीं कर पाई, जिससे झोटवाड़ा रोड, सीकर रोड, स्टेशन रोड, खासा कोठी सर्कल से पुलिस कमिश्नरेट तक जाम के हालात हो गए। दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक इस क्षेत्र में वाहन चालक परेशान होते रहे। जनपथ पर पुलिस ने वाहनों को स्टेच्यू सर्कल से और अंबेडकर सर्कल से डायवर्ट किया, लेकिन इससे पहले 22 गोदाम पुलिया और उसके आस-पास जाम लगा रहा।

सार-समाचार

'तराना दिल से का' होली मिलन समारोह

जयपुर। संगीत प्रेमियों के समूह तराना दिल से का होली मिलन समारोह यहाँ अजमेर रोड स्थित एक होटल में रविवार को आयोजित किया गया। समारोह में ग्रुप के संयोजक राकेश गुप्ता और सह संयोजक सुनीता ऐरन सहित 28 सदस्यों ने होली पर आधारित फिल्मी गीत प्रस्तुत कर होली की उमंग और उल्लास के रंग बिखेरे। होली गीतों के साथ-साथ हिंदी सिनेमा के सदाबहार फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां ने समारोह को यादगार बना दिया। इस अवसर पर सदस्यों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएँ दीं।

प्रशिक्षण सत्रों के लिए समझौता

जयपुर, (कासं)। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर ने सेंट लुइस विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक साल के एमबीए कार्यक्रम, संकाय विनिमय कार्यक्रम, छात्र विनिमय कार्यक्रम, एफडीपी और प्रशिक्षण सत्रों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और उनका आदान-प्रदान किया। सेंट लुइस विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से केटलिन मैककोनेल, निदेशक, स्नातक व्यापार कार्यक्रम डॉ.पलाश बेरा, अंतरिम एसोसिएट डीन, स्नातक व्यापार कार्यक्रम ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने और संभावित छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आज यूईएम जयपुर का दौरा किया।

देश के 25 कलाकारों के आर्ट वर्क डिसप्ले

जयपुर, (कासं)।आईटीसी राजपुताना परिसर में स्पलैशेज ऑफ आर्ट-ए जर्नी ऑफ ऐस्थैटिक्स शीर्षक से वेलकम आर्ट प्रदर्शनी शुरू हुई। प्रदर्शनी में देश भर के तकरीबन 25 उभरते कलाकारों का आर्ट वर्क डिसप्ले किया गया। इसमें करीब 50 पेटिंग्स और स्कल्पचर्स शामिल हैं। प्रदर्शनी में कलाकार अतुल गेंडले ने सूक्ष्म मिट्टी के स्वरों के साथ शांत परिदृश्यों को उकेरा है, जो कि उनके बचपन के दिनों से प्रेरित है। जब वे महाराष्ट्र के गांव बीड में रहते थे। वहां शांतिपूर्ण प्रकृति ने उनके रोजमर्रा के जीवन को अपने अधीन कर लिया था। कलाकार अदिति जैमिनी के अपने चित्रों में आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टिकोण दर्शाया है जो शिव को उनके बनावट और जीवंत मंदिर की घंटियों के माध्यम से याद कराती हैं। अपनी पॉट पेंटिंग के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सूचीबद्ध कलाकार अल्फी कुमार ने भी यहां अपनी दो पेंटिंग्स डिसप्ले की है। लखनऊ की तरन्नुम के चित्र ज्यामितीय रूपों में फैले हुए हैं, जो मन और आत्मा के बीच की दूरी और भीतर की आध्यात्मिकता को दर्शाते हैं। चंडीगढ़ की डॉ. रुचि शर्मा ने अपनी पेंटिंग में सौंदर्यशास्त्र का दर्शाने की पुरजोर कोशिश की है। प्रदर्शन का उद्घाटन पूर्व मंत्री बीना काक और एमिनेंट आर्ट प्रमोटर सुधीर माथुर ने किया।

बालमुकुंद ओझा ने जताया सीएम का आभार

जयपुर, (कासं)। लेखक और वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा चूरू के किले के संरक्षण के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा पर उनका आभार व्यक्त किया है। राजस्थान विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राजस्थान वित्त एवं विनियोग विधेयकों पर प्रत्युत्तर के दौरान यह घोषणा की। ओझा ने बताया की उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अपनी आज़ादी की रक्षा के लिए चांदी के गोले छोडकर विश्व इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम अंकित कराने वाले चूरू के किले के धराशाही होने की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया था। ओझा ने चूरू के विधायक राजेंद्र राठौड़ द्वारा विधान सभा में किले के जीर्णोद्धार की मांग पुरजोर उठाने के लिए उनका भी धन्यवाद दिया।

महिला चोर गैंग ने दुकान से 25 राजपूती पोशाक पार की

जयपुर (कासं)। शहर के करधनी इलाके में कपड़ों की दुकान में रविवार दोपहर ग्राहक बनकर आई चोर गैंग ने 25 ड्रेस पार कर ली। जब तक पीड़ित दुकानदार को इसकी भनक लगी, तब तक गैंग वहां से निकल चुकी थी। अब पीड़ित ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस के मुताबिक भौमिया नगर निवारू रोड निवासी भंवर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वैदजी का चौराहा पर उसकी करणी माता परिधान के नाम से राजपूती ड्रेस की दुकान है। रविवार दोपहर वह अपनी बेटी को दुकान पर बैठाकर गया था। दोपहर करीब पौने तीन बजे एक मारूति ओमीन बैन में बैठकर छह-सात महिलाएं उसकी दुकान पर आई। दो महिलाएं बाहर ही रुक गई और बाकी की अंदर चली गई। कस्टमर बनकर आई महिलाओं ने ड्रेस दिखाने की कही। इस दौरान दो महिलाएं बेटी को ड्रेस दिखाने के बहाने दुकान के एक कोने में ले गई। ड्रेस देखने के बहाने उसकी बेटी को घेरे रखा, जिससे वह कुछ देख नहीं सके। इसी दौरान साथी महिलाओं ने दुकान से करीब 25 राजपूती ड्रेस बैग में रख ली। ड्रेस पसंद नहीं आने की कहकर एक-एक कर सभी महिलाएं कार में बैठकर वहां से चली गई। दुकान पहुंचकर संभालने पर महिला चोर गिरोह के ड्रेस चोरी करने का पता चला। शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि एक ड्रेस की कीमत करीब 3 हजार रुपए है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखकर महिला चोरों को ढूंढ रही है।

युवती से गुजरात में दुष्कर्म

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाने में एक युवती ने अपने पडौसी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया है। पीड़िता का आरोप है युवक उसे बहला-फुसलाकर गुजरात ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ब्रह्मपुरी निवासी 20 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका पडौसी रोहित मीणा करीब डेढ़ महीने पहले उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ गुजरात ले गया और वहां उसके साथ रेप किया। पीड़ित युवती के परिजनों ने गुमशुदगी भी दर्ज कराई। करीब 15 दिन की तलाश के बाद पीड़िता को गुजरात से ढूंढकर पुलिस टीम लेकर आई। पीड़िता ने रविवार को आरोपी युवक के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया। रिपोर्ट में यह भी बताया कि साल 2019 में वह घर में अकेली थी। उस दौरान भी आरोपी उसके घर आया था और उसने साथ लाई मिठाई खिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ रेप किया।

धर्मेन्द्र राठौड़ के घर पर धरना दे रहे उपेन को पुलिस ने जीप में पटका

बेरोजगारों की मांगे पूरी करने की मांग पर दिया था धरना

जयपुर (कासं)। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव को जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार को दोनों हाथ और पैर खींचकर जीप में पटक कर हिरासत में ले लिया। घटना उस वक्त हुई जब वह राज्यमंत्री और राजस्थान टूरिज्म डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ के निवास के बाहर बेरोजगारों के साथ धरने पर बैठ गए। बेरोजगारों की मांगों को लेकर पिछले दिनों दिसम्बर 2021 में राजस्थान सरकार और महासंघ में सहमति बनी थी।

लखनऊ में प्रियंका गांधी के सामने विरोध प्रदर्शन करने के बाद यह सहमति बनी थी। आरोप है कि साढ़े तीन महीने से ज्यादा वक्त बीतने के बावजूद सरकार समझौते के वादे पूरे नहीं कर रही है। जिससे गुस्साए बेरोजगारों ने प्रदेश कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है।

उपेन यादव ने कहा पुलिस उन्हें धरने से जबरन हाथ-पैर खींचकर उठाकर कमिश्नरेट कार्यालय पर ले गई। जीप में शहीद स्मारक-कमिश्नरेट के चारों ओर घुमाकर छोड़ दिया गया। बेरोजगारों से किए गए लखनऊ समझौते की मांगों को पूरा करवाने लेकर वह राज्य मंत्री धर्मेंद्र राठौड़ के निवास के बाहर बेरोजगार साथियों के साथ इसलिए धरने पर बैठे, क्योंकि 4 दिसंबर 2021 को धर्मेंद्र राठौड़ की मध्यस्थता में ही समझौता हुआ था। वह मीडिएटर थे इसलिए बेरोजगार आंदोलन को स्थगित करके लखनऊ से वापस राजस्थान लौटे। 5 दिसंबर 2021 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बेरोजगार महासंघ के प्रतिनिधि मंडल की मुलाकात हुई थी, तब तय हुआ कि बेरोजगारों की मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। इसके बावजूद साढ़े 3 महीने बीत जाने के बावजूद भी बेरोजगारों की ज्यादातर मांगें लंबित है। उपेन यादव ने कहा कि सरकार लखनऊ समझौते की मांगें पूरी नहीं कर रही। इसलिए बेरोजगार युवाओं को फिर से आंदोलन करना पड़ रहा है। पुलिस ने जबरदस्ती हिरासत में लेकर धक्का मुक्की की है, जो अशोभनीय घटना है। लेकिन यह निश्चित है कि हम डरने वाले नहीं हैं। कांग्रेस को खुली चेतावनी है कि अगर युवाओं की मांगें नहीं मानीं तो आने वाले चुनाव में 10 सीटें भी नहीं आएंगी। क्योंकि हम लडाई अंतिम सांस तक लडेंगे। लंबित भर्तियां पूरी होना जरूरी है। पेपर लीक का आरोपी भजनलाल कांग्रेस विधायक के साथ पार्टी कर रहे हैं। अगर सरकार हमारी मांग नहीं मानेगी तो युवा प्रदेश में कांग्रेस का सूपड़ा साफ करेंगे।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव को हिरासत में लेते पुलिसकर्मी।

ना पढ़ेगा इंडिया, ना आगे बढ़ेगा इंडिया, केवल हिंदू-मुस्लिम पर लड़ेगा इंडिया : संयम लोढ़ा

जयपुर। सीएम सलाहकार विधायक संयम लोढ़ा ने सोमवार को सदन में केन्द्र की मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि कहा कि "ना पढ़ेगा इंडिया, ना बढ़ेगा इंडिया, केवल हिंदू-मुस्लिम पर लड़ेगा इंडिया। क्योंकि जिसे धर्म के नाम पर वोट मिल रहे हो, वह सरकार विकास का काम क्यों करेगी? यह कलियुग नहीं कला का युग है, तभी तो चाय वाले प्रधानमंत्री, मठ वाले मुख्यमंत्री बन गए और लाफ्टर चैलेंज में सबको हंसाने का काम करने वाले भी सीएम बन गए।"

राजस्थान वित्त-विनियोग विधेयक की बहस के दौरान संयम लोढ़ा की इस टिप्पणी पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भड़क गये। उन्होंने संयम लोढ़ा से कहा कि "क्या आप गरीबों के खिलाफ हैं। आप हम 3 और हमारे 3 की मानसिकता के हो, जो देश के प्रधानमंत्री का नाम लेकर कह रहे हो कि चाय वाला प्रधानमंत्री बन गया। हमें गर्व है कि 56 इंच के सीने वाला दुनिया का सबसे प्रसिद्ध व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री है।" स्पीकर के दखल के बाद जैसे की मामला शांत हुआ तो संयम लोढ़ा ने राजस्थान सरकार के चिकित्सा और शिक्षा विभाग को घेर लिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के चक्कर में नहीं आकर ध्यान इस पर देना चाहिए कि हॉस्पिटल में सफाईकर्मी डिलीवरी करा रहा है और एंबुलेंस ड्राइवर टांका लगा रहा है। आपकी कितनी पीएचसी ऐसी हैं, जिनमें डॉक्टर हैं, लेकिन एक भी डिलीवरी नहीं होती है। इस पर सरकार का ध्यान होना चाहिए कि इस कमी को कैसे दूर करें। बजाय इसके कि पदोन्नित को लेकर हम नया फार्मूला लाकर नया पचरा खड़ा कर दें। लोढ़ा ने कहा कि शिक्षा इतना ओवरलोडेड डिपार्टमेंट है कि मंत्री तक बात पहुंची ही नहीं। 50 स्कूल ऐसे हैं, जहां सिंगल टीचर हैं, अगर टीचर छुट्टी पर गया या बीमार हुआ, तो बच्चे कहां पढ़ने जाएंगे।

> ■ 'इस टिप्पणी पर नाराज राजेन्द्र राठौड़ ने संयम लोढ़ा को गरीबों के खिलाफ और हम तीन-हमारे तीन की मानसिकता वाला बताया'

"खोदा पहाड़ निकली चुहिया" के समान है बजट, घोषणाएं पूरी नहीं कर सकेगी सरकार : कटारिया

'मुख्यमंत्री आये तब अफसर भी पहुंचे, खत्म हो रहा है सदन का महत्व'

जयपुर (विसं)। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने सोमवार को सदन में वर्ष 2022-23 के बजट को "खोदा पहाड़ निकली चुहिया" जैसा बताया। उन्होंने साल 2019 से लेकर अब तक पेश किए गए राज्य बजट के आंकड़े सदन में रखें और यह भी कहा कि जो बजट घोषित किया गया था, उनमें से अधिकतर बजट घोषणा है, जो कि आज तक पूरी नहीं हुई। कटारिया ने कहा कि बजट में जो खर्चा बताया गया है वह साल 2021-22 में 4 लाख 57 हजार करोड़ का बताया गया था, लेकिन आरई में इसे बढ़ाकर 4 लाख 72 हजार करोड़ कर दिया गया। लेकिन मैं यह दावा करता हूं कि राजस्थान पर वर्तमान में 5 लाख करोड़ से भी अधिक का कर्जा हो गया है और अगले साल यह कर्जा बढ़कर छह लाख करोड़ का हो जाएगा। कटारिया ने कहा कि यदि इसमें बिजली के घाटे को जोड़ लिया जाए तो यह 8 लाख करोड़ का घाटा होगा। कटारिया ने कहा कि सरकार यह बजट किसी कीमत पर पूरा नहीं कर सकती, क्योंकि जो घोषणाएं की गई हैं उसमें से 75 फीसदी बजट तो हेवी कर्जा लेकर ही पूरा किया जाता है, इसे चुकाएगी जनता ही। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने सदन में अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा आज जब सीएम यहां मौजूद हैं तो अधिकारी लॉबी में सभी अधिकारी मौजूद हैं, लेकिन सत्र में अधिकतर बार अधिकारी गायब रहे। सदन की दुर्गति मैंने नहीं देखी। मुख्यमंत्री अपने भाषण में बस केंद्र को कोसते रहते हैं, जबकि मौजूदा बजट में जो भी घोषणा की गई है, उसमें केंद्र से मिलने वाले फंड का भी योगदान रहेगा। कोरोना कालखंड में केंद्रीय ने राजस्थान सरकार की खूब मदद की, लेकिन मुख्यमंत्री की जुबान पर कभी धन्यवाद का एक शब्द नहीं आया।